न्यूज विंडो

कृषि महाविद्यालय बीकानेर के अधिष्ठाता का प्रभार डॉ. शेखावत को

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय बीकानेर के अधिष्ठाता डॉ. आई.पी. सिंह के 30 नवम्बर को सेवानिवृत होने पर अधिष्ठाता का प्रभार निदेशक अनुसन्धान डॉ. प्रकाश सिंह शेखावत को दिया गया है। डॉ. योगेश शर्मा को कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान के निदेशक और डॉ. ए. के. शर्मा को निदेशक मानव संसाधन विकास निदेशालय का प्रभार दिया गया है।

शेखावत को डीन एग्रीकल्चर का अतिरिक्त चार्ज

बीकानेर | डीन एग्रीकल्चर आईपी सिंह के गुरुवार को सेवा

निवृत होने के बाद प्रकाश सिंह शेखावत को डीन एग्रीकल्चर का अतिरिक्त चार्ज दिया गया है। वर्तमान में शेखावत अनुसंधान निदेशक है। इसके अलावा डॉ योगेश शर्मा को कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान के निदेशक और डॉ. ए. के. शर्मा को निदेशक, मानव संसाधन विकास निदेशालय का प्रभार दिया गया है।

विद्यार्थियों के समूह इंश्योरेंस को लेकर चर्चा

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद की 62वीं बैठक कुलपति डॉ. अरुण कुमार की अध्यक्षता में हुई। बैठक में उत्तर प्रदेश दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान मथुरा के कुलपति प्रो.एके श्रीवास्तव तथा प्रो. एम. एस. गिल वर्चुअल माध्यम से जुड़े। बैठक में विद्यार्थियों के समूह इंश्योरेंस, सहायक प्राध्यापकों के करियर एडवांसमेंट के लिए यूजीसी रेगुलेशन 2018 को लागू करने, कृषि प्रबंधन संस्थान की ओर से कृषि आदान प्रबंधन पर 1 वर्षीय डिप्लोमा कोर्स को पुनः संचालित करने, कृषि प्रबंधन में 3, 5 तथा 7 दिन के प्रबंधन विकास कार्यक्रम संचालित करने आदि पर चर्चा हुई।

कृषि विवि: अकादमिक परिषद की बैठक विभिन्न विषयों पर मंथन

बीकानेर | स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद की 62वीं बैठक कुलपति डॉ.अरुण कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को आयोजित की गई। बैठक में विद्यार्थियों के समूह इंश्योरेंस, सहायक प्राध्यापकों के कैरियर एडवांसमेंट के लिए यूजीसी रेगुलेशन 2018 को लागू करने, कृषि प्रबंधन संस्थान द्वारा कृषि आदान प्रबंधन पर 1 वर्षीय डिप्लोमा कोर्स को पुनः संचालित करने, खाद्य पोषण एवं आहारिका के पाठ्यक्रम आदि पर चर्चा सहित अध्ययन से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों पर चर्चा हुई।

एसकेआरएयू व धानुका एग्रीटेक लिमिटेड के मध्य एमओयू

बीकानेर, 16 दिसंबर (निसं)। कृषि में मृदा प्रबंधन, गुणवत्ता युक्त बीजों की उपलब्धि, पौध संरक्षण, फसल उत्पादन में बेहतर वृद्धि व कृषि में नवाचारों को किसानों तक आसानी से पहुंचाने के उद्देश्य से स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर तथा धानुका एग्रीटेक लिमिटेड ने शनिवार को एमओयू पर हस्ताक्षर किये। यह जानकारी देते हुए अनुसंधान निदेशक डॉ. प्रकाश सिंह शेखावत ने बताया कि इस एमओयू से कृषि अनुसंधान एवं प्रसार गतिविधियों को गति मिलेगी। इस अवसर पर विश्वविधालय के विद्या मण्डप में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि इस एमओयू से किसानों को न केवल पौध संरक्षण हेतु सही दवाईयों की जानकारी मिलेगी अपितु धानुका एग्रीटेक लिमिटेड द्वारा विश्वविद्यालय के बाहर बने कृषि आदान आउटलेट के माध्यम से दवाईयां उपलब्ध करवाने की व्यवस्था भी की जाएगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धानुका ग्रुप के अध्यक्ष आर. सी. अग्रवाल ने कहा कि कृषि ज्ञान, उत्तम बीज, मिट्टी की उत्पादन क्षमता बढ़ाना, खेती में जल संरक्षण एवं पौध संरक्षण आज किसान की मूलभूत आवश्यकताएं हैं।

कृषि नवाचारों को किसानों तक पहुंचाने के लिए एसकेआरएयू व धानुका एग्रीटेक में एमओयू

- उत्तम बीज, मिट्टी की उत्पादन क्षमता बढ़ाना, खेती में जल संरक्षण एवं पौध संरक्षण पर विश्वविद्यालय एवं धानुका ग्रुप मिलकर कार्य करेगा

कृषि के प्रोत्साहन के लिए एस.के.आर.ए.यू. कुलपति डॉ. अरूण कुमार व धानुका एग्रीटेक लिमिटेड के अध्यक्ष आर. सी. अग्रवाल ने एम.ओ.यू. साइन किया।

बीकानेर, (कासं)। कृषि में मृदा प्रबंधन, गुणवत्ता युक्त बीजों की उपलब्धि, पौध संरक्षण, फसल उत्पादन में बेहतर वृद्धि व कृषि में नवाचारों को किसानों तक आसानी से पहुंचाने के उद्देश्य से स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर तथा धानुका एग्रीटेक लिमिटेड ने शनिवार को एमओयू पर हस्ताक्षर किये।

यह जानकारी देते हुए अनुसंधान निदेशक डॉ. प्रकाश सिंह शेखावत ने बताया कि इस एमओयू से कृषि अनुसंधान एवं प्रसार गतिविधियों को गति मिलेगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विद्या मण्डप में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ. अरूण कुमार ने कहा कि इस एमओयू से किसानों को न केवल पौध संरक्षण हेतु सही दवाईयों की जानकारी मिलेगी। धानुका एग्रीटेक लिमिटेड द्वारा विश्वविद्यालय के बाहर बने कृषि आदान आउटलेट के माध्यम से दवाईयां उपलब्ध करवाने की व्यवस्था भी की जायेगी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धानुका ग्रुप के अध्यक्ष आर. सी. अग्रवाल ने कहा कि कृषि ज्ञान, उत्तम बीज, मिट्टी की उत्पादन क्षमता बढ़ाना, खेती में जल संरक्षण एवं पौध संरक्षण आज किसान की मूलभूत आवश्यकताएं हैं। इस पर विश्वविद्यालय एवं धानुका ग्रुप मिलकर कार्य करेगा। उन्होंने दोनों संस्थाओं के सम्मिलित प्रयासों से आदर्श कृषि ग्राम विकसित करने का सुझाव दिया। उन्होंने धानुका ग्रुप द्वारा कृषि विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप, इंटर्नशिप देने व रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने की बात कही।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. अजीत सिंह तोमर, अध्यक्ष, अनुसंधान एवं विकास, धानुका एग्रीटेक लिमिटेड ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस एमओयू के बाद धानुका ग्रुप विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से कृषि अनुसंधान व विकास गतिविधियों को किसानों तक ले जायेगा। इस अवसर पर धानुका ग्रुप के सलाहकार कमल कुमार तथा चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के सेवानिवृत प्रोफेसर डॉ. सी. पी. सचान ने भी अपने विचार व्यक्त किये तथा इस एमओयू को किसानों के लिए लाभप्रद बताया। प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. सुभाष चंद्र ने इस अवसर पर धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि गांव का विकास कृषि क्षेत्र की उन्नति से जुड़ा हुआ है। किसान समृद्ध होगा तो गांव भी विकास करेगा।

इस मौके पर बीकानेर स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की विभिन्न संस्थानों के निदेशकों व राष्ट्रीय बीज मसाला अनुसंधान केन्द्र अजमेर के निदेशक सहित विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाताओं, निदेशकों, वैज्ञानिकों एवं किसानों ने भाग लिया। इस अवसर पर कृषि आदान वितरकों का प्रशिक्षण भी आयोजित किया गया जिसमें 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण में वैज्ञानिकों द्वारा नींबू वर्गीय फलों, मसाला फसलों तथा गेहूं, चना एवं सरसों की वैज्ञानिक खेती की जानकारी दी गई।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद की 62वीं बैठक कुलपति डॉ. अरूण कुमार की अध्यक्षता में हुई। बैठक में उत्तरप्रदेश दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान मथुरा के कुलपति प्रो. ए. के. श्रीवास्तव तथा प्रो. एम. एस. गिल वर्चुअल माध्यम से जुड़े।

पंजाब केसरी
TUE, 19 DECEMBER 2023
EDITION: SHRI GANGA NAGAR, PAGE NO. 3

कृषि के प्रोत्साहन हेतु एस.के.आर.ए.यू. व धानुका एग्रीटेक लिमिटेड में एम.ओ.यू.

बीकानेर, 18 दिसम्बर (प्रेम) : कृषि में मृदा प्रबंधन, गुणवत्ता युक्त बीजों की उपलब्धि, पौध संरक्षण, फसल उत्पादन में बेहतर वृद्धि व कृषि में नवाचारों को किसानों तक आसानी से पहुंचाने के उद्देश्य से स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर तथा धानुका एग्रीटेक लिमिटेड ने एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किए। यह जानकारी देते हुए अनुसंधान निदेशक डॉ. प्रकाश सिंह शेखावत ने बताया कि इस एम.ओ.यू. से कृषि अनुसंधान एवं प्रसार गतिविधियों को गति मिलेगी।

एम.ओ.यू. का आदान-प्रदान करते एस.के.आर.ए.यू. व धानुका एग्रीटेक लिमिटेड के अधिकारी। (प्रेम)

कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि एम.ओ.यू. से किसानों को न केवल पौध संरक्षण हेतु सही दवाइयों की जानकारी मिलेगी अपितु धानुका एग्रीटेक लिमिटेड द्वारा विश्वविद्यालय के बाहर बने कृषि आदान आउटलेट के माध्यम से दवाइयां उपलब्ध करवाने की व्यवस्था भी की जाएगी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धानुका ग्रुप के अध्यक्ष आर. सी. अग्रवाल ने कहा कि कृषि ज्ञान, उत्तम बीज, मिट्टी की उत्पादन क्षमता बढ़ाना, खेती में जल संरक्षण एवं पौध संरक्षण आज किसान की मूलभूत आवश्यकताएं हैं। इस पर विश्वविद्यालय एवं धानुका ग्रुप मिलकर कार्य करेगा।

Danik Bhasakr 21.12.2023

उन्नत कृषि तकनीक ड्रोन के उपयोग पर चर्चा

बीकानेर | स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अनुसंधान केन्द्र में बुधवार को मासिक तकनीकी कार्यशाला का आयोजन किया गया। अतिरिक्त निदेशक कृषि विस्तार डॉ सुरेन्द्र सिंह शेखावत व क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक डॉ एस आर यादव की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला में कृषकों द्वारा की जाने वाली कृषि व उधानिकी तकनीकी पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान उन्नत कृषि तकनीकी ड्रोन संबंध में विचार-विमर्श किया गया। कार्यशाला में कृषि वैज्ञानिक प्रो. हनुमान देसवाल, प्रो. राजेन्द्र सिंह राठौड़, नरेन्द्र सिंह, अमर सिंह व विभागीय अधिकारी संयुक्त निदेशक कृषि कैलाश चौधरी, अजीत सिंह, यशवन्ती, सहायक निदेशक कृषि अमर सिंह गिल, राजूराम डोगीवाल, रधुवर दयाल, सुभाष विश्नोई, कृषि अधिकारी मुकेश गहलोत, ममता, मीनाक्षी, ओमप्रकाश, प्रदीप चौधरी, कन्हैया लाल आदि मौजूद रहे।

Danik Navjoyti 21.12.2023

कृषि मासिक तकनीकी कार्यशाला

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अनुसंधान केन्द्र में बुधवार को मासिक तकनीकी कार्यशाला आयोजित की गई। अतिरिक्त निदेशक कृषि विस्तार डॉ सुरेन्द्र सिंह शेखावत व क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक डॉ एस आर यादव की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला में कृषकों द्वारा की जाने वाली कृषि व उधानिकी तकनीकी पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान उन्नत कृषि तकनीकी ड्रोन व एआई का कृषि में उपयोग के संबंध में विमर्श किया गया। कार्यशाला में कृषि वैज्ञानिक प्रो. हनुमान देसवाल, प्रो. राजेन्द्र सिंह राठौड़ सिंह, नरेन्द्र सिंह, अमर सिंह व विभागीय अधिकारी संयुक्त निदेशक कृषि कैलाश चौधरी, अजीत सिंह, यशवन्ती, सहायक निदेशक कृषि अमर सिंह गिल, राजूराम डोगीवाल, रघुवर दयाल, सुभाष विश्नोई, कृषि अधिकारी मुकेश गहलोत, ममता, मीनाक्षी, ओमप्रकाश, प्रदीप चौधरी, कन्हैया लाल आदि मौजूद रहे।

कृषि को प्रोत्साहन के लिए धानुका एग्रीटेक लि. और एसकेआरएयू के बीच एमओयू

बीकानेर/नि.सं.। कृषि में मृदा प्रबंधन, गुणवत्ता युक्त बीजों की उपलब्धि, पौध संरक्षण, फसल उत्पादन में बेहतर वृद्धि व कृषि में नवाचारों को किसानों तक आसानी से पहुंचाने के उद्देश्य से स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर तथा धानुका एग्रीटेक लिमिटेड ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। अनुसंधान निदेशक डॉ. प्रकाश सिंह शेखावत ने बताया कि इस एमओयू से कृषि अनुसंधान एवं प्रसार गतिविधियों को गति मिलेगी। इस अवसर पर विश्वविधालय के विद्या मंडप में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि इस एमओयू से किसानों को न केवल पौध संरक्षण के लिए सही दवाइयों की जानकारी मिलेगी, बल्कि धानुका एग्रीटेक लिमिटेड द्वारा विश्वविद्यालय के बाहर बने कृषि आदान आउटलेट के माध्यम से दवाइयां उपलब्ध करवाने की व्यवस्था भी की जाएगी। मुख्य अतिथि धानुका ग्रुप के अध्यक्ष आरसी अग्रवाल ने कहा कि कृषि ज्ञान, उत्तम बीज, मिट्टी की उत्पादन क्षमता बढ़ाना, खेती में जल संरक्षण एवं पौध संरक्षण आज किसान की मूलभूत आवश्यकताएं हैं। इस पर विश्वविद्यालय एवं धानुका ग्रुप मिलकर कार्य करेगा। उन्होंने दोनों संस्थाओं के सम्मिलित प्रयासों से आदर्श कृषि ग्राम विकसित करने का सुझाव भी दिया। उन्होंने धानुका ग्रुप की ओर से कृषि विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप, इंटर्नशिप देने व रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने की बात कही।

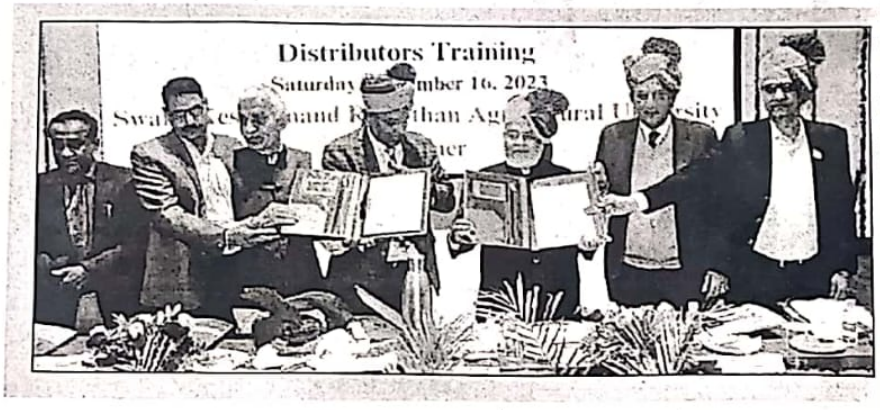

विशिष्ट अतिथि डॉ. अजीत सिंह तोमर, अध्यक्ष, अनुसंधान एवं विकास, धानुका एग्रीटेक लिमिटेड ने कहा कि इस एमओयू के बाद धानुका ग्रुप विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से कृषि अनुसंधान व विकास गतिविधियों को किसानों तक ले जाएगा। धानुका ग्रुप के सलाहकार कमल कुमार तथा चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के सेवानिवृत प्रोफेसर डॉ. सीपी सचान ने भी अपने विचार रखे तथा इस एमओयू को किसानों के लिए लाभप्रद बताया। प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. सुभाष चंद्र ने कहा कि गांव का विकास कृषि क्षेत्र की उन्नति से जुड़ा हुआ है। किसान समृद्ध होगा तो गांव भी विकास करेगा। इस अवसर पर कृषि आदान वितरकों का प्रशिक्षण भी आयोजित किया गया, जिसमें 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण में वैज्ञानिकोंने नींबू वर्गीय फलों, मसाला फसलों तथा गेहूं,चना एवं सरसों की वैज्ञानिक खेती की जानकारी दी।

कृषि में प्रोत्साहन-नवाचारों को किसानों तक आसानी से पहुंचाने के उद्देश्य से हुआ एमओयू

कलम ए राजस्थान

बीकानेर। कृषि में मृदा प्रबंधन, गुणवत्ता युक्त बीजों की उपलब्धि, पौध संरक्षण, फसल उत्पादन में बेहतर वृद्धि व कृषि में नवाचारों को किसानों तक आसानी से पहुंचाने के उद्देश्य से स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर तथा धानुका एग्रीटेक लिमिटेड ने एमओयू पर हस्ताक्षर किये। अनुसंधान निदेशक डॉ. प्रकाश सिंह शेखावत ने बताया कि इस एमओयू से कृषि अनुसंधान एवं प्रसार गतिविधियों को गति मिलेगी। इस अवसर पर विश्वविधालय के विद्या मण्डप में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि इस एमओयू से किसानों को न केवल पौध संरक्षण हेतु सही दवाईयों की जानकारी मिलेगी अपितु धानुका एग्रीटेक लिमिटेड द्वारा विश्वविद्यालय के बाहर बने कृषि आदान आउटलेट के माध्यम से दवाईयां उपलब्ध करवाने की व्यवस्था भी की जाएगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धानुका ग्रुप के अध्यक्ष आर. सी. अग्रवाल ने कहा कि कृषि ज्ञान, उत्तम बीज, मिट्टी की उत्पादन क्षमता बढ़ाना, खेती में जल संरक्षण एवं पौध संरक्षण आज किसान की मूलभूत आवश्यकताएं हैं। इस पर विश्वविद्यालय एवं धानुका ग्रुप मिलकर कार्य करेगा। उन्होंने दोनों संस्थाओं के सम्मिलित प्रयासों से आदर्श कृषि ग्राम विकसित करने का सुझाव दिया। उन्होंने धानुका ग्रुप द्वारा कृषि विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप, इंटर्नशिप देने व रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने की बात कही। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. अजीत सिंह तोमर, अध्यक्ष, अनुसंधान एवं विकास, धानुका एग्रीटेक लिमिटेड ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस एमओयू के बाद धानुका ग्रुप विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से कृषि अनुसंधान व विकास गतिविधियों को किसानों तक ले जाएगा। इस अवसर पर धानुका ग्रुप के सलाहकार कमल कुमार तथा चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के सेवानिवृत प्रोफ़ेसर डॉ. सी. पी. सचान ने भी अपने विचार व्यक्त किये तथा इस एमओयू को किसानों के लिए लाभप्रद बताया। प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. सुभाष चंद्र ने इस अवसर पर धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि गांव का विकास कृषि क्षेत्र की उन्नति से जुड़ा हुआ है। किसान समृद्ध होगा तो गांव भी विकास करेगा। इस मौके पर बीकानेर स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की विभिन्न संस्थानों के निदेशकों व राष्ट्रीय बीज मसाला अनुसंधान केंद्र अजमेर के निदेशक सहित विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाताओं, निदेशकों, वैज्ञानिकों एवं किसानों ने भाग लिया। इस अवसर पर कृषि आदान वितरकों का प्रशिक्षण भी आयोजित किया गया जिसमें 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण में वैज्ञानिकों द्वारा नींबू वर्गीय फलों मसाला फसलों तथा गेहूं,चना एवं सरसों की वैज्ञानिक खेती की जानकारी दी गई।

दैनिक भास्कर

बीकानेर 22-12-2023

कृषि में नवाचारों को किसानों तक पहुंचाने के उद्देश्य से हुआ समझौता

बीकानेर | कृषि में मृदा प्रबंधन, गुणवत्ता युक्त बीजों की उपलब्धता, पौध संरक्षण, फसल उत्पादन में बेहतर वृद्धि व कृषि में नवाचारों को किसानों तक आसानी से पहुंचाने के उद्देश्य से स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर ने धानुका एग्रीटेक लिमिटेड के साथ एमओयू किया है। अनुसंधान निदेशक डॉ. प्रकाश सिंह शेखावत ने बताया कि इस एमओयू से कृषि अनुसंधान एवं प्रसार गतिविधियों को गति मिलेगी। इस अवसर पर विश्वविधालय के विद्या मण्डप में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि इस एमओयू से किसानों को पौध संरक्षण हेतु सही दवाईयों की जानकारी मिलेगी। साथ ही किसानों को दवाईयां आसानी से उपलब्ध करवाने की व्यवस्था भी की जाएगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धानुका ग्रुप के अध्यक्ष आरसी अग्रवाल ने कहा कि कृषि ज्ञान, उत्तम बीज, मिट्टी की उत्पादन क्षमता बढ़ाना, खेती में जल संरक्षण एवं पौध संरक्षण आज किसान की मूलभूत आवश्यकताएं हैं। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि अनुसंधान एवं विकास, धानुका एग्रीटेक लिमिटेड के अध्यक्ष डॉ. अजीत सिंह तोमर ने कहा कि इस एमओयू के बाद धानुका ग्रुप विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से कृषि अनुसंधान व विकास गतिविधियों को किसानों तक ले जाएगा। इस अवसर पर धानुका ग्रुप के सलाहकार कमल कुमार तथा चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के सेवानिवृत प्रोफेसर डॉ. सी. पी. सचान ने भी अपने विचार व्यक्त किये ।

Danik Yogpach 22.13.2023

कृषि में नवाचारों को किसानों तक पहुंचाने के उद्देश्य से हुआ एमओयू

बीकानेर (नसं)। कृषि में मृदा प्रबंधन, गुणवत्ता युक्त बीजों की उपलब्धता, पौध संरक्षण, फसल उत्पादन में बेहतर वृद्धि व कृषि में नवाचारों को किसानों तक आसानी से पहुंचाने के उद्देश्य से स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर ने धानुका एग्रीटेक लिमिटेड के साथ एमओयू किया है। अनुसंधान निदेशक डॉ. प्रकाश सिंह शेखावत ने बताया कि इस एमओयू से कृषि अनुसंधान एवं प्रसार गतिविधियों को गति मिलेगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विद्या मण्डप में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि इस एमओयू से किसानों को पौध संरक्षण हेतु सही दवाईयों की जानकारी मिलेगी। साथ ही किसानों को दवाईयां आसानी से उपलब्ध करवाने की व्यवस्था भी की जाएगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धानुका ग्रुप के अध्यक्ष आर. सी. अग्रवाल ने कहा कि कृषि ज्ञान, उत्तम बीज, मिट्टी की उत्पादन क्षमता बढ़ाना, खेती में जल संरक्षण एवं पौध संरक्षण आज किसान की मूलभूत आवश्यकताएं है। इस पर विश्वविद्यालय एवं धानुका ग्रुप मिलकर कार्य करेगा। उन्होंने दोनों संस्थाओं के सम्मिलित प्रयासों से आदर्श कृषि ग्राम विकसित करने का सुझाव दिया। प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. सुभाष चंद्र ने इस अवसर पर धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि गांव का विकास कृषि क्षेत्र की उन्नति से जुड़ा हुआ है। किसान समृद्ध होगा तो गांव भी विकास करेगा। विभिन्न संस्थानों के निदेशकों व राष्ट्रीय बीज मसाला अनुसंधान केंद्र अजमेर के निदेशक सहित विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाताओं, निदेशकों, वैज्ञानिकों एवं किसानों ने भाग लिया। इस दौरान कृषि आदान वितरकों का प्रशिक्षण भी आयोजित किया गया जिसमें 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

Rastray Doot
22.12.2023

खेती में जल एवं पौध संरक्षण आज किसान की मूलभूत आवश्यकता : अग्रवाल

बीकानेर, (कासं)। कृषि में मृदा प्रबंधन, गुणवत्ता युक्त बीजों की उपलब्धता, पौध संरक्षण, फसल उत्पादन में बेहतर वृद्धि व कृषि में नवाचारों को किसानों तक आसानी से पहुंचाने के उद्देश्य से स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर ने धानुका एग्रीटेक लिमिटेड के साथ एमओयू किया है।

अनुसंधान निदेशक डॉ. प्रकाश सिंह शेखावत ने बताया कि इस एमओयू से कृषि अनुसंधान एवं प्रसार गतिविधियों को गति मिलेगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विद्या मण्डप में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ. अरूण कुमार ने कहा कि इस एमओयू से किसानों को पौध संरक्षण हेतु सही दवाईयों की जानकारी मिलेगी। साथ ही किसानों को दवाईयां आसानी से उपलब्ध करवाने की व्यवस्था भी की जायेगी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धानुका ग्रुप के अध्यक्ष आर. सी. अग्रवाल ने कहा कि कृषि ज्ञान, उत्तम बीज, मिट्टी की उत्पादन क्षमता बढ़ाना, खेती में जल संरक्षण एवं पौध संरक्षण आज किसान की मूलभूत आवश्यकताएं है। इस पर विश्वविद्यालय एवं धानुका ग्रुप मिलकर

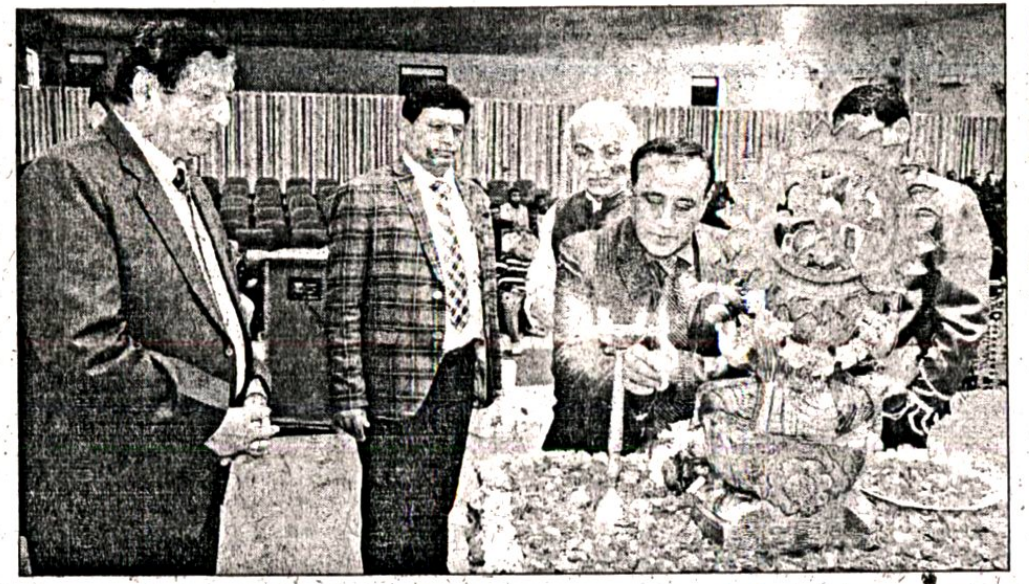

धानुका ग्रुप के अध्यक्ष आर. सी. अग्रवाल ने कृषि में प्रोत्साहन एवं नवाचारों को किसानों तक पहुंचाने के कार्यक्रम का दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया।

■ कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर ने धानुका एग्रीटेक लिमिटेड के साथ कृषि में नवाचारों को किसानों तक पहुंचाने के लिए एमओयू साइन किया

कार्य करेगा। उन्होंने दोनों संस्थाओं के सम्मिलित प्रयासों से आदर्श कृषि ग्राम विकसित करने का सुझाव दिया। उन्होंने धानुका ग्रुप द्वारा कृषि विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप, इंटर्नशिप देने व रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने की बात कही। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. अजीत सिंह तोमर, अध्यक्ष, अनुसंधान एवं विकास, धानुका एग्रीटेक लिमिटेड ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस एमओयू के बाद धानुका ग्रुप विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से कृषि अनुसंधान व विकास गतिविधियों को किसानों तक ले जायेगा। इस अवसर पर धानुका ग्रुप के सलाहकार कमल कुमार तथा चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के सेवानिवृत प्रोफेसर डॉ. सी. पी. सचान ने भी अपने विचार व्यक्त किये तथा इस एमओयू को किसानों के लिए लाभप्रद बताया।

प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. सुभाष चंद्र ने इस अवसर पर धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि गांव का विकास कृषि क्षेत्र की उन्नति से जुड़ा हुआ है। किसान समृद्ध होगा तो गांव भी विकास करेगा। इस मौके पर बीकानेर स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की विभिन्न संस्थानों के निदेशकों व राष्ट्रीय बीज मसाला अनुसंधान केन्द्र अजमेर के निदेशक सहित विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाताओं, निदेशकों, वैज्ञानिकों एवं किसानों ने भाग लिया।

इस दौरान कृषि आदान वितरकों का प्रशिक्षण भी आयोजित किया गया जिसमें 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण में वैज्ञानिकों द्वारा नींबू वर्गीय फलों मसाला फसलों तथा गेहूं, चना एवं सरसों की वैज्ञानिक खेती की जानकारी दी गई।

Rastradoot 24.12.2023

नई नियुक्तियों का अनुमोदन

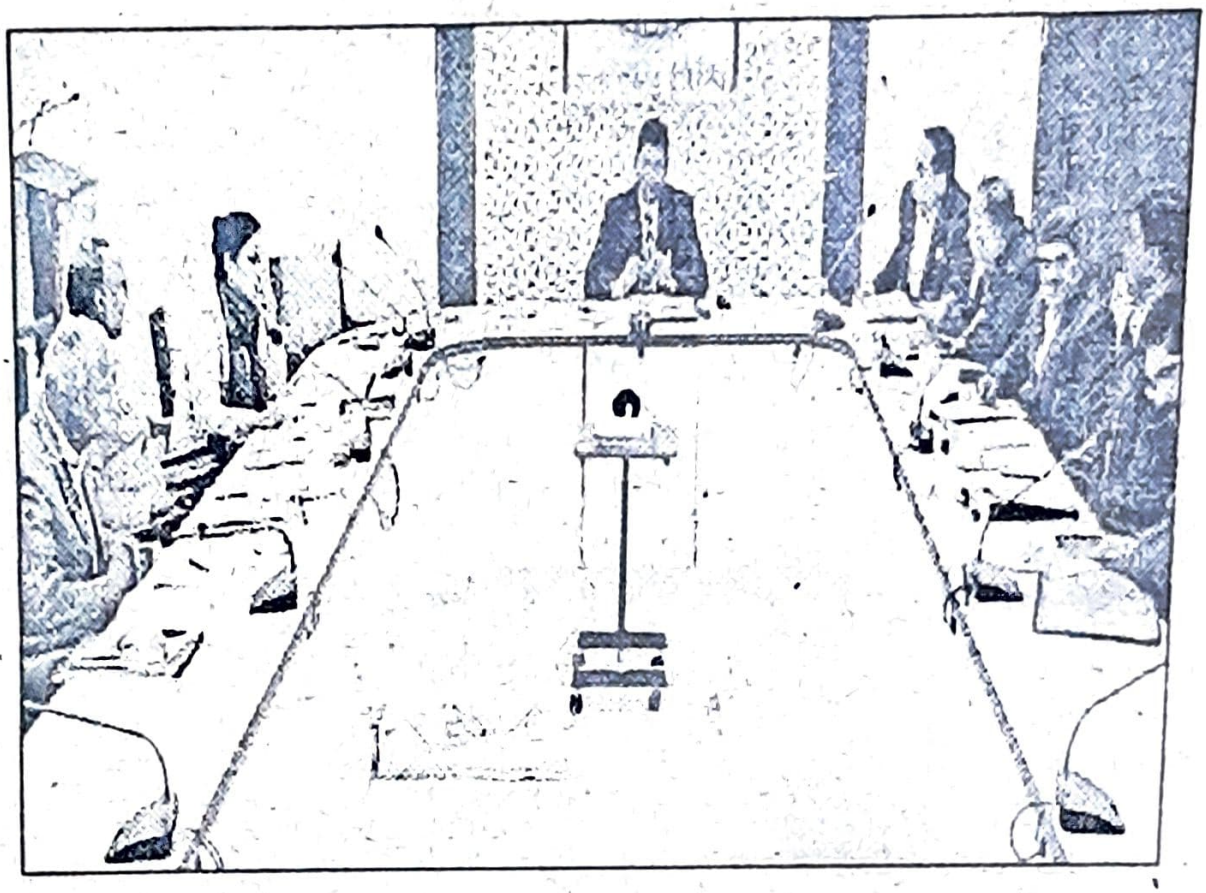

राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के प्रबन्ध मण्डल की बैठक को कुलपति डॉ. अरूण कुमार ने संबोधित किया।

बीकानेर, (कासं)। स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर की प्रबन्ध मण्डल की 114 वीं बैठक शनिवार को कुलपति डॉ. अरूण कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में 24 सहायक प्राध्यापकों को कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के अन्तर्गत 6000 से 7000 पे ग्रेड देने तथा तीन सहायक प्राध्यापकों को सह प्राध्यापक पद पर पदोन्नत करने का अनुमोदन किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा 18 से 22 दिसम्बर तक सह प्राध्यापकों, प्राध्यापकों एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष पदों की सीधी भर्ती हेतु लिये गये साक्षात्कारों में चयनित 3 प्राध्यापकों, 9 सह प्राध्यापकों एवं एक वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष की नियुक्तियों का अनुमोदन किया गया। वर्ष 2018 से विश्वविद्यालय में चयनित सहायक प्राध्यापकों एवं सह प्राध्यापकों के कैरियर एडवांसमेंट के लिये यूजीसी रेगुलेशन 2018 के अनुसार नय स्कार काड को भी अनुमोदित किया गया जिससे गत 5 वर्षों से कार्यरत शिक्षकों के कैरियर एडवांसमेंट का रास्ता खुल सकेगा।

भेड़ एवं बकरी पालन किसान की आर्थिक समृद्धि में सहयोगी

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन विभाग की ओर से भेड़-बकरी पालन के माध्यम से उद्यमिता विकास विषय पर सात दिवसीय प्रशिक्षण बुधवार को शुरू किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीकानेर पश्चिम के विधायक जेठानंद व्यास ने कहा कि भेड़ एवं बकरी पालन किसान की आर्थिक समृद्धि में बहुत उपयोगी हैं। बकरी के दूध की पौष्टिकता, भेड़ के ऊन की उपयोगिता और देसी खाद के रूप में मींगणी के महत्व से सभी भली-भांति परिचित हैं। उन्होंने इस प्रकार के प्रशिक्षण को ग्रामीण क्षेत्र में उद्यमिता विकास के लिए उपयोगी बताया। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि पश्चिमी राजस्थान में भेड़ एवं बकरी पालन किसान की जीवन रेखा है। मंडल रेल प्रबंधक डॉ. आशीष कुमार ने ग्रामीण परिवेश से जुड़े उद्यमों पर प्रशिक्षण करने की सराहना की तथा इन्हें युवाओं में रोजगार की दृष्टि से लाभकारी बताया। मुख्य वैज्ञानिक डॉ. ज्योति यादव ने इसे ग्रामीण महिलाओं के लिए लाभकारी उद्यम बताया। कृषि महाविद्यालय बीकानेर के अधिष्ठाता डॉ. पी. एस. शेखावत ने प्रशिक्षण की रूपरेखा बताई। संयोजक डॉ. एन.एस. दहिया ने बताया कि प्रशिक्षण में राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश तथा मध्य प्रदेश के 55 प्रशिक्षणार्थी भाग ले रहे हैं, जिनमें 12 महिलाएं शामिल हैं।

Danik Jaltey Deep Jodhpur 30.12.2023

शुष्क पारिस्थितिकी तंत्र में बांस के उत्पादन एवं उपयोगिता पर एसकेआरएयू को प्रोजेक्ट मिला

बीकानेर, 29 दिसंबर (निसं)। स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के उद्यान विभाग को राष्ट्रीय बांस मिशन, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा 'शुष्क पारिस्थितिकी तंत्र के लिए बांसरू एक शुरुआत व प्रयास' विषय पर 47 लाख का प्रोजेक्ट स्वीकृत हुआ है। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि इस प्रोजेक्ट के तहत पश्चिमी राजस्थान में बांस की उपयोगिता पर शोध करने का अवसर मिलेगा। यह प्रोजेक्ट 3 साल की अवधि का है। इसके अंतर्गत बांस उत्पादन की शस्य विधियों का परीक्षण, उपयुक्त गुणवत्ता युक्त लकड़ी वाली प्रजातियों की पहचान एवं औद्योगिक उपयोगिता की संभावनाओं पर अनुसंधान किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट के मुख्य प्रभारी डॉ. पी. के. यादव ने बताया कि इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत विश्वविद्यालय अपने कार्य क्षेत्र में आने वाले किसानों के लिए सूखे के प्रति सहनशील प्रजातियों की पहचान एवं बांस के विभिन्न औद्योगिक सह उत्पाद व मूल्य संवर्धन पर कार्य करेगा। डॉ. सुशील कुमार तथा डॉ. सी. पी. मीणा इस प्रोजेक्ट के सह प्रभारी हैं।

#bambooinbikaner

47 लाख रुपए का प्रोजेक्ट स्वीकृत

रेगिस्तान में बांस जगाएगा नई आस, एसकेआरयू में होगा शोध

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. रेगिस्तान की सोनलिया मिट्टी में अब न केवल बांस तैयार होगा, बल्कि किसानों के लिए यह आर्थिक रूप से भी फायदेमंद साबित होने वाला है। राष्ट्रीय बांस मिशन, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार ने पश्चिमी राजस्थान में बांस के उत्पादन और उसकी उपयोगिता को लेकर प्रयास प्रारंभ कर दिए हैं। इसके लिए 'शुष्क पारिस्थितिकी तंत्र के लिए बांस एक शुरुआत व प्रयास' विषय पर एसकेआरयू को प्रोजेक्ट स्वीकृत किया गया है। इस प्रोजेक्ट के तहत

पश्चिमी राजस्थान में बांस की उपयोगिता पर शोध कार्य भी होगा।

3 साल, 47 लाख रुपए स्वीकृत

स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरुण कुमार के अनुसार एसकेआरयू के उद्यान विभाग को बांस की उपयोगिता, शोध आदि कार्यों के लिए 47 लाख रुपए का प्रोजेक्ट स्वीकृत हुआ है। इस प्रोजेक्ट के तहत पश्चिमी राजस्थान में बांस की उपयोगिता पर शोध करने का अवसर मिलेगा। यह प्रोजेक्ट 3 साल की अवधि का है। इसके अंतर्गत बांस उत्पादन की शस्य विधियों का परीक्षण, उपयुक्त गुणवत्ता युक्त लकड़ी वाली प्रजातियों की पहचान एवं औद्योगिक उपयोगिता की संभावनाओं पर अनुसंधान किया जाएगा।

इन पर भी होगा कार्य

प्रोजेक्ट के मुख्य प्रभारी डॉ. पी. के. यादव ने बताया कि इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत विश्वविद्यालय अपने कार्य क्षेत्र में आने वाले किसानों के लिए सूखे के प्रति सहनशील प्रजातियों की पहचान एवं बांस के विभिन्न औद्योगिक सह उत्पाद व मूल्य संवर्धन पर कार्य करेगा। डॉ. सुशील कुमार तथा डॉ. सी. पी. मीणा इस प्रोजेक्ट के सह प्रभारी हैं।

Danik Bhaskar 30.12.2023

विवि को प्रोजेक्ट मिला

बीकानेर | स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के उद्यान विभाग को राष्ट्रीय बांस मिशन, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा 'शुष्क पारिस्थितिकी तंत्र के लिए बांस: एक शुरुआत व प्रयास' विषय पर 47 लाख का प्रोजेक्ट स्वीकृत हुआ है।